पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2015-17 प्रकाशित: 01.01.2015 इस अंक का मूल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

आर्य युवक ध्यान दें

आर्य युवा सेवा शिविर

सभी आर्य युवक सेवा कार्य हेतु 23 जनवरी 2015 दोपहर 2:00 बजे तक कमल पार्क, सफदरजंग, एन्कलेव नई दिल्ली में पहुंच जाएं।

वर्ष-31 अंक-15 पौष-2071 दयानन्दाब्द 190 1 जनवरी से 15 जनवरी 2015 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

प्रकाशित: 01.01.2015, E-mail : aryayouthn@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 88वें बलिदान दिवस पर स्वामी श्रद्धानन्द को श्रद्धांजलि

शुद्धि आन्दोलन का शुभारम्भ सबसे पहले स्वामी श्रद्धानन्द ने किया-सतीश उपाध्याय ने दी श्रद्धाजंलि

श्री सतीश उपाध्याय (प्रदेश अध्यक्ष,भाजपा) को शाल व चित्र से सम्मानित करते डा.अनिल आर्य, श्री भोलानाथ विज, देवेन्द्र भगत, सुरेश आर्य, राकेश वैष्णय, अशोक आर्य। द्वितीय चित्र–डा.विजय कुमार मल्होत्रा (पूर्व सांसद) को सम्मानित करते श्री मायाप्रकाश त्यागी,भोलानाथ विज व डा.अनिल आर्य।

नई दिल्ली। मंगवार, 23 दिसम्बर 2014, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, नई दिल्ली के तत्वावधान में कान्सटिट्यूशन क्लब, रफी मार्ग में सुप्रसिद्ध स्वतन्त्रता सेनानी, गुरूकुल कांगड़ी, हरिद्वार के संस्थापक, मूर्धन्य आर्य संन्यासी ''स्वामी श्रद्धानन्द जी का 88 वां बलिदान दिवस'' समारोह पूर्वक मनाया गया। समारोह में दिल्ली के कौने कौने से सैंकड़ो आर्य प्रतिनिधियों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

समारोह के मुख्य अतिथि श्री सतीश उपाध्याय (प्रदेश अध्यक्ष,भाजपा) ने कहा कि सबसे पहले घर वापिसी अभियान का शुभारम्भ आज से 100 वर्ष पहले लिये शुद्वि आन्दोलन के माध्यम से स्वामी श्रद्वानन्द जी ने ही किया था। स्वामी श्रद्वानन्द जी ने गुरूकुल शिक्षा प्रणाली को पुनः जीवित किया व समान शिक्षा पद्धति को बढ़ावा दिया यही उनकी कथनी और करनी की समानता का प्रेरक उदाहरण है। स्वामी श्रद्वानन्द जी के जीवन से प्रेरणा लेकर देश की एकता और अखण्डता के लिए सब आर्य जन एक जुट हों। स्वामी श्रद्धानन्द ने विश्व बन्धुत्व का सन्देश हम सबको दिया तथा नैतिकता का पाठ पढ़ाया जो केवल भारत के पास है वह पूरे विश्व में और कहीं नहीं मिलेगा।

डा. विजय कुमार मल्होत्रा (पूर्व सांसद) कहा कि हमें जो विचार महर्षि दयानन्द और स्वामी श्रद्धानन्द जी ने दिये उसे आज जीवन में लागु करने की आवश्यकता है। डा.मल्होत्रा ने कहा कि हिन्दुओ की जनसख्या लगातार कम हो रही है यह चिन्ताजनक है।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य ने कहा कि स्वामी श्रद्धानन्द पूरे देश के लिए श्रद्धा के केन्द्र बिन्दु हैं, उन्होंने गुरूकुल कांगड़ी जैसी महान शिक्षा संस्था की स्थापना की तथा 1919 में जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद भयभीत अमृतसर में स्वागताध्यक्ष बन कर कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन को सफल बनाया तथा रौलेट एक्ट के विरूद्ध निकाले जुलूस का नेतृत्व कर दिल्ली के चांदनी चौक टाउन हाल घन्टाघर पर अग्रेंजी संगीनों के सामने सीना तान दिया, यह उनकी निर्भिकता का ज्वलन्त उदाहरण है। वैदिक विद्वान डा. जयेन्द्र आचार्य (नोएडा), श्री अशोक आर्य (कमिश्नर, एक्साईज –कस्टम), आचार्य गवेन्द्र शास्त्री, परिषद् के महामन्त्री महेन्द्र भाई, विमलेश बंसल, सूरज गुलाटी ने अपने विचार रखे।

चोपाल के संयोजक श्री भोलानाथ विज ने कहा कि युवा शक्ति को मार्ग दर्शन देकर उन्हें सही चिंतन देने की आवश्यकता है, भारत वासियों का चिंतन ही विश्व में शान्ति स्थापित कर पायेगा। समारोह का संचालन परिषद् अध्यक्ष डा. अनिल आर्य ने किया। पूर्व सांसद डा. विजय कुमार मल्होत्रा का सार्वजनिक अभिनन्दन किया गया। समारोह का उद्घाटन सार्वदेशिक सभा के कोषाध्यक्ष श्री मायाप्रकाश त्यागी ने ओ३म ध्वज फहराकर किया।

इस अवसर पर आर्य नेता रविन्द्र मेहता, डा. डी. के. गर्ग, रमेश गाडी, देवेन्द्र भगत, सुरेश आर्य, आचार्य सुधांशु, गायत्री मीना, ओमप्रकाश जैन, डा. रिखब चन्द जैन, रामकुमार सिंह, कृष्णचन्द पाहुजा, सोहनलाल मुखी, धर्मपाल आर्य, प्रवीन आर्य, ओम सपरा, रणसिह राणा, अरूण आर्य, चतरसिंह नागर, सी.ए.राजेश वैष्णव, राकेश भटनागर, स्वामी सौम्यानन्द, प्रमोद चौधरी, कै. अशोक गुलाटी, विजयारानी शर्मा, हरिचन्द आर्य, मधुर प्रकाश आर्य, बलजीत आदित्य, भगतसिंह राठी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। पहले चाय व ऋषि लंगर का आनन्द लेकर सभी उत्साह पूर्वक विदा हुए।

श्री मायाप्रकाश त्यागी का अभिनन्दन करते बांये से–रामकुमार सिंह,डा. अनिल आर्य, भोलानाथ विज, डा.जयेन्द्र आचार्य, महेन्द्र भाई व रणसिंह राणा।

अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द का 88वाँ बलिदान दिवस

शुद्धि आन्दोलन के जनक स्वामी श्रद्धानन्द

– डॉ. मोक्षराज

धर्मान्तरण का स्थूल अर्थ है धर्म-परिवर्तन। जैसे अग्नि का धर्म तेज है, पशु का धर्म पाशविक है, देव का दैवत्त्व व असुर का आसुरीय है, वैसे ही सभी मनुष्य का धर्म है मनुष्यता। मनुष्य के धर्म परिवर्तन का अर्थ हुआ मनुष्य का मनुष्य न रहना। मनुष्य का घोड़ा, गधा, शेर आदि बन जाना, क्या यह सम्भव है? जीते जी तो नहीं। फिर धर्म परिवर्तन क्या है? क्या धैर्य, क्षमा, दम, अस्तेय, इन्द्रिय निग्रह, धी, विद्या, सत्य, अक्रोध आदि मानवोचित गुण-धर्मो का परिवर्तन धर्म-परिवर्तन है, ऐसा भी नहीं हो सकता।

वस्तुत: पंथ-मत-मजहब परिवर्तन को ही लोगों ने धर्म परिवर्तन मान लिया है। चलिये दुर्जनतोषन्याय से हम भी इसे धर्मान्तरण मान लेते हैं तो फिर भारत के परिदृश्य में इसका क्या अर्थ प्रभाव है, इस पर विचार करते हैं। विश्व के इतिहास में अध्यात्म-योग, धर्म, दया, अहिंसा, बन्धुत्व, परिवार, समाज, मानवता, दया, दान, तप, स्वाध्याय, त्याग, समर्पण, उदारता, क्षमा जैसे व्यवहार भारत में ही अधिक प्राचीनता से प्रसिद्ध हैं। भारत का आर्यावत्तीर्य इतिहास 1,96,08,53,114 वर्ष पुराना है, जब सारे विश्व में एक मात्र वैदिक धर्म ही प्रसिद्ध था।

सारे भूमण्डल पर आर्यावर्त्तीय नरेशों के ही चक्रवर्ती साम्राज्य होते थे। कोई अन्य आधिकारिक मतमतान्तर विगत 5 हजार वर्ष से पूर्व नहीं था। सारा विश्वकुटुम्ब वेद को ही अपना धर्म ग्रन्थ मानता रहा।

कालान्तर में महाभारत के बाद कुछ मनुष्य विशेष ने स्वयं को अथवा उन्हें लोगों ने प्रवर्त्तक, मसीहा, पैगम्बर, अवतार, तीर्थकर माना, मनवाया, जहाँ से यह धर्मान्तरण की विभीषिका प्रारम्भ हुई। यह आश्चर्य की बात है कि उसके बाद परस्पर प्रेम, दया, उदारता, भाईचारे से रहने वाले लोग अविश्वास व आशंका से जीने लगे। धर्मान्तरण का यह चलन यथार्थ में मानवता के लिए अभिशाप सिद्ध हुआ। धर्मान्ध लोगों ने साम्राज्यवाद की आंधी में लोगों के हृदय के अध्यात्म दीपक को बुझाने की कोशिश की। विश्वगुरु भारत को अपनी ऊल-जलूल बातों से बहकाना प्रारम्भ किया। आज सारा विश्व जब गौड पार्टिकल की खोज वाले वैज्ञानिकों की पठी थपथपा रहा है तब उन वैज्ञानिकों को यह भी स्वीकारना पड़ा कि सर्वप्रथम ईश्वरत्व का दर्शन ऋग्वेद में है। अर्थात् जहां की आध्यात्मिक, सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक विरासत इतनी सशक्त व समृद्ध रही है वहाँ धर्मान्तरण की बात हास्यास्पद ही है।

यह मानवता के सीने पर कैसा कुठाराघात है कि लोगों के दिल-दिमाग को न जीत पाने की अवस्था में तलवार के बल पर कत्तेआम द्वारा लोगों को जबरदस्ती मूल धर्म से हटाया गया। इसी प्रकार अपने आपको मानने वाली ताकतों ने बड़ी निर्ममता से दक्षिण अफ्रीका में हब्सियों के साथ, अमेरिका में रैड इण्डियन्स के साथ अत्याचार किया। 2000 वर्ष बाद भी वे लोग अश्वेत लोगों के साथ अन्याय करने से नहीं चूकते। ये कैसी विकसित सभ्यतायें हैं?

महात्मा गाँधी, भाई परमानन्द, स्वामी भवानीदयाल संन्यासी ने दक्षिण अफ्रीकी में जो देखा व सहा, इतिहास साक्षी है।

लाला मुन्शीराम महर्षि दयानन्द से परिचय के पूर्व अंग्रेजी सभ्यता को ही सर्वोपरि मानते थे। स्वयं अंग्रेजों की भांति विलासिता का जीवन जीते थे, उन्होंने सुरा व सुन्दरी को जीवन का ध्येय बना रखा था। किन्तु जब वे बरेली में महिर्ष दयानन्द सरस्वती के दर्शन करते, उनसे चर्चा करते हैं तो उनके जीवन का दर्शन बदल जाता है।

उन्होंने अंग्रेजियत के घिनौने चेहरे को उतार फेंका व भारत की मूल आत्मा का साक्षात्कार किया, लाल मुंशीराम अब स्वामी श्रद्धानन्द बन गये। उन्होंने भारत की मूल धरोहर को अपनाया व अभाव, प्रलोभन, दुर्बलता, मजबूरी में धर्मान्तरित हुए लोगों को न्याय दिलाने लगे। पेशे में वकील रहे स्वामी श्रद्धानन्द ने आधुनिक भारत का प्रथम आर्ष गुरुकुल कांगड़ी में खोला। जहां बिना किसी जाति-पाति, छुआछूत के सैकड़ों देशभक्त ब्रह्मचारियों को तैयार किया। जो अश्वेतों को अत्याचार से बचाने दक्षिण अफ्रीका जाते व मोहनदास कर्मचन्द गाँधी का सहयोग करते थे। स्वामी श्रद्धानन्द ने हजारों बिछड़े लोगों को आर्य जाति की मुख्यधारा में मिलाया। स्वामी जी शुद्धि आन्दोलन के जनक कहलाये। स्वामी श्रद्धानन्द के प्रभाव से ही दक्षिण भारत में मोपलों के अत्याचार से कराहते हिन्दुओं को पुन: शुद्ध कर मूल में दीक्षित किया, जिसका उद्देश्य वीर सवारकर ने अपने 'मोपला' उपन्यास में किया है।

स्वामी श्रद्धानन्द धर्मान्तरण के पक्षधर नहीं थे, किन्तु शुद्धि आन्दोलन के हिमायती थे। साम्राज्यवाद की विकृत सोच ने लाखों लोगों के साथ जो अत्याचार सदियों से किया, उस उत्पीड़न व कुण्ठा से मुक्ति दिलाने के लिये स्वामी जी ने व्यापक स्तर पर आन्दोलन चलाया।

स्वामी जी के हृदय में किसी के प्रति पक्षपात नहीं था, वे मानवता की सच्ची आवाज थे। उनके गुरुकुल में आगन्तुक अंग्रेज व मुसलमान उनके साथ एक पंगत में भोजन करते थे। अंग्रेज लोग फूट डालो, शासन करो की नीति के तहत हिन्दू और मुसलमानों को आपस में लड़वाना चाहते थे उनकी इस कुटिल चाल को महात्मा गांधी भांप गये थे जिसके तहत उन्होंने सत्याग्रह प्रारम्भ कर दिया। महात्मा गांधी ने इस खिलाफत आन्दोलन के नेतृत्व के लिए दिल्ली के सबसे बड़े सर्वमान्य नेता स्वामी श्रद्धानन्द को आगे किया। आर्यसमाज के इस अप्रतिम योद्धा ने अंग्रेजों की इस कूटनीति के विरोध में आयोजित जुलूस का नेतृत्व किया। गोरों की फौज बन्दूकें ताने हुए थी, इन्होंने छाती खोलकर चान्दनी चौक, दिल्ली में दहाड़ लगाई कि चलाओं मेरे सीने पै गोलियां, निर्भीक संन्यासी के इस साहसी स्वरूप के समक्ष संगीनें नीचे करनी पड़ी, आज चान्दनी चौक पर स्वामी श्रद्धानन्द की विशाल प्रतिमा लगी हुई इतिहास का स्मरण कराती है।

किन्तु ऐसे महान् संन्यासी जब रूग्ण अवस्था में थे। तब एक धर्मान्ध व्यक्ति ने स्वामी श्रद्धानन्द महाराज को 23 दिसम्बर 1926 गोली मार दी। आज स्वामी श्रद्धानन्द का बलिदान दिवस है। अब धर्मान्तरण नहीं बल्कि स्वेच्छा से मूल धर्म अपनाने वालों को गले लगाने का अध्याय खुलता है। भारत की सांस्कृतिक विरासत के समक्ष अन्य सब बौने हैं। माननीय प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्ताव पर यू.एन.ओ. 21 जून को अन्तराष्ट्रीय योग दिवस मनाने जा रहा है। योग, मोक्ष प्राप्ति का साधन है, योग स्वर्ग की सीढ़ी है, योग मुक्ति का साधन है, योग ईश्वर प्राप्ति का उपाय है, सारे पंथ ईश्वर से मिलाने का जो दम्भ भरते हैं उसकी गुरु भूमि भारत है, फिर यहां कैसा धर्मान्तरण।

- मन्त्री, आर्यसमाज, अजमेर, दूरभाष-08696429696-

शोक समाचार

1. माता सुशीला आर्या (माता श्री यशोवीर आर्य) का गत 26.12.2014 को निधन।
2. श्री चन्द्रभान आर्य, (जीन्द) भजनोपदेशक का निधन।
3. श्रीमती द्रोपदी नांरग (धर्मपत्नि श्री विश्वनाथ आर्य) का निधन।
4. श्री प्रमोद गुप्ता (आर्य समाज,पंचदीप) का निधन।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।

आर्य महासम्मेलन तैयारी हेतु आगामी बैठकें

1. शनिवार, 10 जनवरी 2015, प्रातः 11 बजे, दक्षिण दिल्ली क्षेत्र–आर्य समाज, कालका जी, नई दिल्ली.
2. शनिवार, 10 जनवरी 2015, सायं 4 बजे, फरीदाबाद क्षेत्र, आर्य समाज, सैक्टर–19, फरीदाबाद.
3. रविवार, 11 जनवरी 2015, प्रातः 11 बजे, उतरी दिल्ली क्षेत्र, आर्य समाज, शक्ति नगर, दिल्ली.
4. रविवार, 11 जनवरी 2015, सायं 4 बजे, पश्चिमी दिल्ली क्षेत्र, आर्य समाज, पूर्वी पंजाबी बाग, दिल्ली.
5. रविवार, 18 जनवरी 2015, प्रातः 11.30 बजे, फाईनल तैयारी बैठक, सार्वदेशिक सभा, महर्षि दयानन्द भवन, आसिफ अली रोड़, नई दिल्ली

कृपया अपने निकट की बैठक में पंहुच कर आर्य महासम्मेलन को सफल बनायें –महेन्द्र भाई,महामन्त्री

दिल्ली चलो ओ३म् दिल्ली चलो

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 36 वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में

आर्य नेता, शिक्षाविद् **डा. अशोक कुमार चौहान** के सानिध्य एवं
युवा वैदिक विद्वान डा. जयेन्द्र आचार्य के ब्रह्मत्व में

251 कुण्डीय विराट् यज्ञ एवम्

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन

दिनांक : 24, 25, 26 जनवरी 2015 (शनि, रवि व सोमवार)

स्थान: कमल पार्क, सफदरजंग एनक्लेव (निकट ग्रीन पार्क मैट्रो स्टेशन) **नई दिल्ली-29**

विराट् शोभा यात्रा: शनिवार 24 जनवरी 2015, प्रात: 10:00 बजे

शुभारम्भ: कमल पार्क, सफदरजंग एनक्लेव, दिल्ली से प्रारम्भ होगी

1. दिल्ली के बाहर से आने वाले आर्य बन्धु अपने पधारने की संख्या के बारे में 10 जनवरी 2015 तक सूचित करने की कृपा करें जिससे भोजन व आवास आदि का उचित प्रबन्ध किया जा सके।
2. कृपया यजमान बनने के इच्छुक आर्य बन्धु व आर्य समाजें अपना यज्ञकुण्ड 10 जनवरी 2015 तक फोन न: श्री प्रकाश वीर-9811757437, श्री ओम बीर-9868803585, श्री सत्यपाल-9899200447, श्री राणा जी-9868089983 पर आरक्षित करवा लें।

हज़ारों की संख्या में पहुंचकर आर्य समाज की विराट् संगठन शक्ति का परिचय दें।

अपील

इस रचनात्मक विशाल कार्यक्रम में आपका तन, मन, धन से सहयोग अपेक्षित है कृपया दानराशी क्रास चैक/ड्राफ्ट द्वारा ''केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली'' के नाम से कार्यालय के पते पर भिजवायें। ऋषि-लंगर के लिए आटा, दाल, चावल, चीनी, शुद्ध घी, रिफाईन्ड, सब्जी आदि खाद्य सामग्री देकर पुण्य के भागी बनें

कार्यालय : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007, मो. 9868661680

अरूण आर्य व सौरभ गुप्ता सम्मानित व गौतम नगर के स्नातक डा.अनिल आर्य के साथ

रविवार, 28 दिसम्बर 2014, आर्य केन्द्रीय सभा गाजियाबाद द्वारा परिषद् के शिक्षक श्री अरूण आर्य व श्री सौरभ गुप्ता का सम्मानित किया गया। चित्र में डा.अनिल आर्य, श्री प्रवीन आर्य, श्री रामकुमार सिंह, श्री सुरेश प्रसाद व त्रिलोक। द्वितीय चित्र– गुरूकुल गौतम नगर के स्नातक श्री चन्द्रदेव शास्त्री, श्री जीवनप्रकाश शास्त्री, श्री सुबोध शास्त्री आदि डा. अनिल आर्य के साथ एवं गुड़गांव में डा.अनिल आर्य का स्वागत करते प्रधान श्री सोमनाथ आर्य।

गुरूकुल गौतम नगर में यज्ञ की पूर्णाहुति व सांसद महेश गिरी का अभिनन्दन

रविवार, 28 दिसम्बर 2014, स्वामी प्रणवानन्द जी के सान्निध्य में गुरूकुल गौतम नगर, नई दिल्ली में यज्ञ की पूर्णाहुति के साथ कार्यकम का भव्य समापन हुआ। चित्र में–कै.रूद्रसेन सिन्धु, डा.अनिल आर्य, डा.रघुवीर वेदालंकार आदि। द्वितीय चित्र–28 दिसम्बर 2014, आर्यन क्लासेज, विश्वास नगर, दिल्ली के आर्य समाज, सूरजमल विहार में आयोजित ''आशीर्वाद समारोह'' में सांसद श्री महेश गिरी का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य, महेन्द्र भाई, डा.वीरपाल विद्यालंकार, निदेशक श्री महेश भार्गव, श्री रघुवीर भार्गव व श्री हरीश खरबन्दा।

आर्य समाज, सैक्टर-33, नोएडा में डा. अमिता चौहान ने किया उद्घाटन

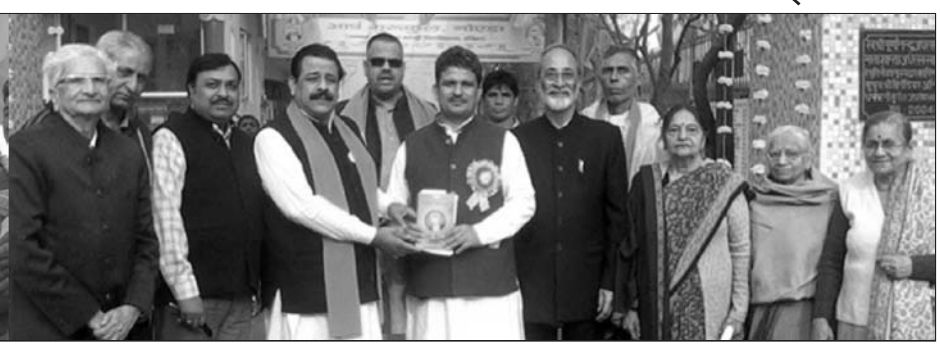

रविवार, 21 नवम्बर 2014, आर्य समाज, सैक्टर–33, नोएडा का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। डा.सोमदेव शास्त्री (मुम्बई) के प्रवचन व आचार्य भानुप्रकाश शास्त्री (बरेली) के मधुर भजन हुए। चित्र में ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूलस की चेयरपरसन डा. अमिता चौहान दीप प्रज्जवलित करते हुए, साथ में केन्द्रीय मन्त्री डा. महेश शर्मा, श्री वी.एस.चौहान, प्रधाना श्रीमती गायत्री मीना, साध्वी उत्मायति आदि, द्वितीय चित्र में पुस्तक का विमोचन करते हुए डा.जयेन्द्र आचार्य, डा.अनिल आर्य, मन्त्री कै. अशोंक गुलाटी, दिनेश आर्य, अमीरचन्द रखेजा, रणसिंह राणा, चन्द्रप्रभा अरोड़ा, चन्द्रप्रभा रखेजा व मनोरमा निगम। श्री आनन्द चौहान, श्री प्रवीन आर्य, डा.वीरपाल विद्यालंकार आदि भी उपस्थित थे।

गाजियाबाद में श्रद्धानन्द बलिदान दिवस व परिषद् की बैठक सोत्साह सम्पन्न

रविवार, 28 दिसम्बर 2014, आर्य केन्द्रीय सभा व उपप्रतिनिधि सभा गाजियाबाद के तत्वावधान में स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस पर विशाल शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के युवक–युवतियों ने श्री सौरभ गुप्ता के निर्देशन में भव्य व्यायाम प्रदर्शन दिखाये। चित्र में डा. अनिल आर्य को स्मृति चिन्ह भेंट करते स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी चन्द्रवेश जी, स्वामी सत्यवेश जी, श्री महेन्द्र गर्ग, रविन्द्र आर्य, मंत्री वीरसिंह आर्य, प्रधान सुनील गर्ग, उपप्रधान प्रवीन आर्य आदि। द्वितीय चित्र–रविवार, 21 दिसम्बर 2014, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् गाजियाबाद की बैठक आर्य समाज, नया आर्य नगर में सम्पन्न हुई। स्वदेशी फार्मेसी के निदेशक डा. आर. के. आर्य को सम्मानित करते डा. अनिल आर्य, रामकुमार सिंह, प्रवीन आर्य, यज्ञवीर चौहान, रणसिंह राणा, सुरेश प्रसाद व प्रमोद चौधरी आदि।

प्रशान्त विहार का उत्सव व गुड़गांव में श्रद्धानन्द बलिदान दिवस सम्पन्न

रविवार, 21 दिसम्बर 2014, आर्य समाज, प्रशान्त विहार, दिल्ली का उत्सव सम्पन्न हुआ। आचार्य अखिलेश्वर जी की वेद कथा व श्री अंकित शा़स्त्री के भजन हुए। चित्र में–अतिथि को सम्मानित करते डा. अनिल आर्य, प्रधान श्री कृष्णचन्द पाहुजा, श्री अंकित शास्त्री, मन्त्री श्री सोहनलाल मुखी। द्वितीय चित्र–आर्य केन्द्रीय सभा गुड़गांव के तत्वावधान में 19,20,21 दिसम्बर 2014 को स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस मनाया गया। चित्र में मंच पर आचार्य विजयपाल शास्त्री,डा. अनिल आर्य, स्वामी धर्ममुनि जी आदि। सभा प्रधान श्री सोमनाथ आर्य व मंत्री श्री प्रभुदयाल चुटानी ने कुशल संचालन किया।

श्रद्धानन्द बलिदान भवन को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करो व डा.आर.के.ठाकुर को श्रद्धाजंलि

वीरवार, 25 दिसम्बर 2014, आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली राज्य के तत्वावधान में स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में नया बाजार से रामलीला मैदान तक विशाल शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् ने इस अवसर पर केन्द्र सरकार से स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान भवन को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग की व किरायेदारों से कब्जे खाली करने के लिये अविलम्ब कार्यवाही करने को कहा गया। इस सन्दर्भ में परिषद् अध्यक्ष डा. अनिल आर्य ने केन्द्रीय मन्त्री डा.महेश शर्मा को पत्र भी लिखा है। शनिवार, 20 दिसम्बर 2014, शिक्षाविद् डा. राधाकृष्ण ठाकुर की प्रथम पुण्य तिथि पर डी.ए.वी मॉडल स्कूल यूसफ सराय, नई दिल्ली में स्मरण दिवस रखा गया। चित्र में–डा.अनिल आर्य, श्रीमती मीना ठाकुर, श्री रमेश गाडी, राकेश भटनागर, मोहन लाल, स्वामी प्रणवानन्द जी (प्रधान,योग निकेतन), रविदेव गुप्ता, चतरसिंह नागर।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970